JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

4T6X4HD

संकलित परीक्षा - I (2015-16)

हिन्दी 'ब'

कक्षा - IX

निर्धारित समय : 3 घण्टे | अधिकतम अंक : 90

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **चार खंड** हैं - क, ख, ग और घ।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड क

(अपठित बोध)

1 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए —** 5

जब रानी कैकेयी ने राजा दशरथ से अपने दो चिर प्रतीक्षित वर माँगे तो राजपरिवार में ही नहीं पूरी अयोध्या में हाहाकार मच गया। उस समय सुमंत्र ने रानी कैकेयी को ये वाक्य कहे — "आम को कुठार से काटकर तुम नीम की परिचर्या करती हो... क्या यह सोचती हो कि दूध से सींचने पर नीम मीठा हो जाएगा।" अर्थात् किसी भी प्रकार की, कितनी भी तरह से परिचर्या करने पर नीम अपनी कड़वाहट नहीं छोड़ता, कड़वाहट की बात हुई तो नीम तो कड़वाहट का राजा है। इससे अधिक कड़वी चीज़ और भला क्या हो सकती है।... स्वभाव की कड़वाहट हो या फिर ज़ुबान की; तुलना तो नीम से ही की जाती है। कहते हैं कि जिस प्रकार चंदन की सुगंध पूरे मलय पर्वत की हवा को सुगंधित बना देती है उसी प्रकार नीम पर चढ़ी लौकी को भी नीम कड़वी बना देता है।... इसीलिए कहते हैं — करेला और नीम चढ़ा।

(i) कैकेयी कौन थीं ?

(क) एक नारी (ख) एक रानी

(ग) एक प्रसिद्ध रानी (घ) एक प्रसिद्ध वीरांगना

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

(ii) राजा दशरथ से कैकेयी ने कितने वर माँगे ?

(क) दो (ख) चार

(ग) तीन (घ) पाँच

(iii) नीम अपना कौन-सा गुण नहीं छोड़ता है ?

(क) मिठास (ख) खटास

(ग) कड़वाहट (घ) तीखापन

(iv) 'कड़वाहट' में मूल शब्द और प्रत्यय हैं :

(क) कड़ + वाहट (ख) कड़व + आहट

(ग) कड़वा + आहट (घ) कड़वा + हट

(v) जो मलय पर्वत की हवा को सुगंधित बना देता है वह है, एक :

(क) नीम (ख) आम

(ग) कटहल (घ) चंदन

2 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।** 5

जिह्वा सभी को मिली है, किन्तु उचित बोलना बहुत कम लोग जानते हैं। प्राय: लोग कड़वी बातों में दूसरे की व्यर्थ निंदा-स्तुति में वाणी की सार्थकता समझते हैं। उन दिव्य पुरुषों की संख्या अँगुलियों पर ही गिनी जा सकती है। जिनकी जिह्वा में अमृतोपय मधुरता एवं हिम की सी शीतलता रहती है ऐसे लोगों की वाणी से निराश जीवन को उत्साह मिलता है। नरक की यंत्रणा में छटपटाने वाले को धैर्य और आश्वासन मिलता है। व्यक्तित्व का परिचय देने में वाणी प्रथम है, क्योंकि अन्य गुण तो साथ रहने पर धीर-धीरे प्रकट होते हैं पर वाणी की गरिमा तत्काल प्रकट होती है। इसके द्वारा सर्वथा अपरिचित को भी, थोड़े वार्तालाप में ही स्नेह और सहानुभूति के सूत्र में बाँधा जा सकता है। दिव्य वाणी बोलने वाले के लिए संसार में चारों तरफ अमीर गरीब परिचित-अपरिचित सबके द्वार स्वागत के लिए खुले रहते हैं। उनके मान में लोग पलक पाँवड़े विछा देते हैं। ऐसा सम्मान छत्रधारी सम्राट होने पर भी शायद ही कोई पा सकता है।

(i) जिह्वा सभी को मिली है किन्तु उचित बोलना-

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

(क) सभी जानते हैं। (ख) कम लोग जानते हैं।

(ग) ज्यादातर लोग जानते है। (घ) पढ़े-लिखे लोग जानते हैं।

(ii) प्राय: लोग वाणी की सार्थकता समझते हैं-

(क) कड़वी तीखी बातों में, दूसरों की व्यर्थ निंदा स्तुति में।

(ख) प्यार भरी बातों में, अपनों की व्यर्थ निंदा स्तुति में।

(ग) सामान्य बातों में, सभी की निंदा स्तुति में।

(घ) अधिक बातें करने में।

(iii) 'व्यक्तित्व' शब्द में किस प्रत्यय का प्रयोग है ?

(क) व्यक्ति (ख) त्व (ग) व (घ) तत्व

(iv) सबके द्वार स्वागत के लिए खुले रहते हैं-

(क) अमीर के लिए। (ख) गरीब के लिए।

(ग) दिव्य वाणी बोलने वाले के लिए। (घ) कलाकार के लिए।

(v) "पलक पाँवड़े बिछाना" का अर्थ है ?

(क) पलकें बंद कर लेना। (ख) सम्मान देना।

(ग) रास्ता साफ करना। (घ) अपलक निहारना।

3 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए —** 5

बढ़े चलो, बढ़े चलो, चले चलो।

प्रचण्ड सूर्य-ताप से न तुम जलो, न तुम गलो।।

पहाड़ से चली नदी, रुकी नहीं कहीं ज़रा।

गई जिधर उधर किया ज़मीन को हरा-भरा।

http://jsuniltutorial.weebly.com/

चली समान रूप से, ज़मीन का न ख्याल कर।

मगन रही निनाद में, ज़मीन पर, पहाड़ पर।

उसी तरह चले चलो, उसी तरह बढ़े चलो।।

जलाओ दिल के दाग से बुझे दिलों के दीप को।

जो दूर हैं उन्हें भी खींच लो ज़रा समीप को।

सही ज़मीन की तरह, डरो न आसमान से।

जलो तो आन-बान से बुझो तो एक शान से।

अखण्ड-दीप से जलो सदा बहार से खिलो।।

(i) "बुझे दिलों" का आशय है —

(क) जो ईष्यालु हैं (ख) जो कामचोर हैं

(ग) जो दुराचारी हैं (घ) जो हतोत्साहित हैं

(ii) कवि ने किन-किन से प्रेरणा लेने की बात कही है ?

(क) सूर्य, दीप एवं नदी से (ख) दीपक, हवा तथा ज़मीन से

(ग) नदी, दीपक, बहार एवं ज़मीन से (घ) नदी, पहाड़ एवं चींटी से

(iii) 'अखण्ड दीप से जलो' में अलंकार है —

(क) उपमा (ख) श्लेष (ग) रूपक (घ) श्लेष

(iv) कवि ने कैसे बुझने के लिए कहा है —

(क) झुककर (ख) जलकर (ग) शान से (घ) सहमकर

(v) काव्यांश का मूल भाव है —

(क) निराशावादी जीवन जीना (ख) कर्मशील जीवन जीना

(ग) कायरतापूर्ण जीवन जीना (घ) भाग्यवादी होना

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

4 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए —**

संकटों से वीर घबराते नहीं,

आपदाएँ देख छिप जाते नहीं।

लग गए जिस काम में, पूरा किया,

काम करके व्यर्थ घबराते नहीं।

हो सरल अथवा कठिन हो रास्ता,

कर्मवीरों को न इससे वास्ता।

बढ़ चले तो अंत तक ही बढ़े चले,

कठिनतर गिरिश्रृंग ऊपर चढ़ चले।

कठिन पथ को देख मुस्काते सदा,

संकटों के बीच वे गाते सदा,

है असम्भव कुछ नहीं उनके लिए,

सरल-सम्भव कर दिखाते वे सदा।

(i) आपदा देखकर छिप जाने वाले वही होते हैं जो —

(क) कर्मवीर नहीं हैं। (ख) धर्मवीर हैं।

(ग) परोपकारी हैं। (घ) कुमार्गी हैं।

(ii) "सरल-सम्भव कर दिखाते वे सदा।" में अलंकार है —

(क) रूपक (ख) अनुप्रास

(ग) श्लेष (घ) उपमा

(iii) कर्मवीरों को इस बात से कुछ लेना-देना नहीं होता कि, —

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

(क) लक्ष्य प्राप्ति कब होगी (ख) सफलता मिलेगी या नहीं

(ग) रास्ता कठिन है या सरल है (घ) कर्म करने की क्या विधि है

(iv) असम्भव को भी कर्मवीर सदा बनाया करते हैं, —

(क) कठिन (ख) सरल

(ग) संभव (घ) जटिल

(v) काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक है —

(क) वीर (ख) परोपकारी

(ग) कर्मवीर (घ) सेनानी

खण्ड ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

5 (क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए : 5

मनुष्य पहचान ,

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से उस शब्द को चुनिए जिनमें अनुस्वार का प्रयोग होता है :

अक जाच ,उगली ,

(ग) निम्नलिखित शब्द में उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग कर शब्द को दुबारा लिखिए:

गाव

(घ) निम्नलिखित शब्द में उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए :

तकदीर

6 (क) निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए : 4

(i) वधू+आगमन (ii) अनु+इति

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

(ख) निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए :

(i) मतांत (ii) न्यून

7 (क) निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्दों और प्रयुक्त उपसर्गों को अलग-अलग करके लिखिए : 6

अज्ञान, प्रमुख

(ख) निम्नलिखित शब्द में से मूल शब्द और प्रयुक्त प्रत्यय को अलग-अलग कीजिए :

कवित्व

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम-चिन्ह लगाइए :

(1) राम,लक्ष्मण और सीता वन को गए।

(2) अरे!तुम दिल्ली जाओगे ?

(3) मोहन ने कहा-"मैं तुम्हारी बात मान लूँगा।"

खण्ड ग
(पाठ्य-पुस्तक)

8 पठित पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2+2+1)

(i) भगवान् अपने परिवार का निर्वाह कैसे करता था? 'दुख का अधिकार' पाठ के आधार पर लिखिए। 2

(ii) जीवन के लिए अनिवार्य सार तत्व मिट्टी से ही मिलते हैं 'धूल' पाठ को दृष्टि में रखकर प्रस्तुत कथन को सोदाहरण समझाइए। 2

(iii) देवता मनुष्यों के साथ क्यों नहीं रहते? 1

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

9 हिमपात के अधिक होने से कौन-सी प्राकृतिक आपदा निर्मित हो जाती है? इस आपदा का सबसे अधिक शिकार कौन लोग हो जाते हैं? 5

10 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2+2+1)** 5

एवरेस्ट अभियान दल 7 मार्च को दिल्ली से काठमांडू के लिए हवाई जहाज़ से चल दिया। एक मज़बूत अग्रिम दल बहुत पहले ही चला गया था जिससे कि वह हमारे 'बेस कैंप' पहुँचने से पहले दुर्गम हिमपात के रास्ते को साफ़ कर सके।

नमचे बाज़ार, शेरपालैंड का एक सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण नगरीय क्षेत्र है। अधिकांश शेरपा इसी स्थान तथा यहीं के आसपास के गाँवों के होते हैं। यह नमचे बाज़ार ही था, जहाँ से मैंने सर्वप्रथम एवरेस्ट को निहारा, जो नेपालियों में 'सागरमाथा' के नाम से प्रसिद्ध है। मुझे यह नाम अच्छा लगा।

(क) 'बेस कैंप' किसे कहते हैं? अग्रिम दल मुख्य अभियान दल से बहुत पहले क्यों चला गया था?

(ख) लेखिका के लिए 'नमचे बाज़ार' महत्त्वपूर्ण क्यों था ? उसको सागरमाथा नाम क्यों अच्छा लगा ?

(ग) नमचे बाज़ार क्यों प्रसिद्ध है?

पठित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2+2+1)

11(i) 'आदमीनामा' कविता को पढ़कर हमारे मन में आदमी के प्रति क्या विचार धारणा बनती है? 2

(ii) जीवन में सफलता पाने के लिए रहीम के दोहे अत्यंत उपयोगी हैं, एक उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। 2

(iii) कवि अपनी किस आदत को नहीं छोड़ पा रहा है? 'रैदास के पद' के आधार पर लिखिए। 1

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

12 रहीम ने अपने दोहे में प्रेम संबंधों में तनाव और टूटन न आने देने की सलाह क्यों दी है? क्या आप ऐसा सोचते हैं कि एक बार गाँठ पड़ जाने पर रिश्ते सामान्य नहीं रहते? तर्क सहित उत्तर लिखिए। 5

13 'गिल्लू' कहानी हमारे स्वभाव में जीव-प्रेम को किस प्रकार विकसित करती है? 'गिल्लू' कहानी के आधार पर लिखिए। 5

खण्ड घ
(लेखन)

दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर **किसी एक** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

14(i) **ट्रैफिक जाम में फँसा 'मैं'** 5

- ट्रैफिक की समस्या का आधार
- लोगों की जल्दबाजी और व्यवस्था की कमी
- सुधार के उपाय

(ii) **इंटरनेट का जीवन में उपयोग** 5

- इंटरनेट क्या है?
- लाभ-समय की बचत, शिक्षा में सहायक
- उपयोग के सुझाव

(iii) **आत्मविश्वास और घमण्ड** 5

(क) अर्थ

(ख) कारण और परिणाम

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

(ग) किसे अपनाना चाहेंगे और क्यों?

15 आपके चाचा जी ने नया घर लिया है। उन्हें बधाई देते हुए पत्र लिखिए। 5

16 दिए गए चित्र के आधार पर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग 20 - 30 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए। 5
विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही संबद्ध होना चाहिए।

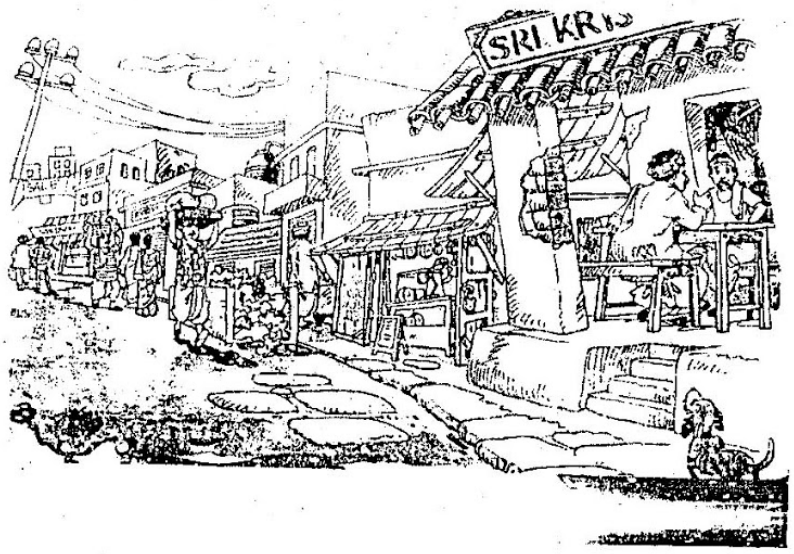

17 त्योहारों का हमारे जीवन में महत्त्व व उनके संदेश पर बातचीत करते दादा जी और पोते के संवाद को अपने शब्दों में 5
लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

18 आप सिक्योरिटी सर्विसेज कम्पनी चलाते हैं। आपको, सिविल (सुपरवाईजर) गार्ड की आवश्यकता है; इसके लिए 20- 5
25 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

http://jsuniltutorial.weebly.com/